“प्रबुद्ध जन संवाद” कार्यक्रम में माननीय अध्यक्ष महोदय का भाषण

मुझे आज यहां आप सभी लोगों के बीच उपस्थित होकर अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। मैं इस "प्रबुद्ध जन संवाद कार्यक्रम " के आयोजकों को हार्दिक धन्यवाद देता हूं। सर्वप्रथम, मैं विधान सभा के सदस्य, श्री गोपाल लाल शर्मा जी तथा श्री संजय धाकड़ जी को धन्यवाद देना चाहता हूं जिन्होंने मुझे इस "प्रबुद्ध जन संवाद कार्यक्रम " का हिस्सा बनाया और मुझे आप सभी से संवाद करने का सुअवसर प्रदान किया।

मुझे इस कार्यक्रम की भव्य और अनुपम व्यवस्था देखकर बेहद खुशी हो रही है और इसके लिए मैं आयोजकों के समर्पित प्रयासों की सराहना करता हूं।

आज हम सभी को इस बात पर गर्व है कि संसदीय शासन प्रणाली की बुनियाद हमारे देश में मजबूत होती जा रही है। भारत को आज पूरे विश्व में दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में जाना जाता है। हमारे लोकतंत्र के केन्द्र में जनता है।

इस बात का प्रमाण यह है कि हमने जनादेश प्राप्त करने और सत्ता का सुगम हस्तांतरण करने हेतु अब तक सत्रह आम चुनाव तथा राज्य विधानसभाओं और स्थानीय निकायों के लिए होने वाले चुनाव सफलतापूर्वक आयोजित किए हैं। विगत वर्षों में, सभी स्तरों पर और समाज के विभिन्न वर्गों में लोकतांत्रिक व्यवस्था का प्रसार होने के कारण लोकतंत्र में विश्वास की भावना प्रबल हुई है। हमारी राजनीतिक बहुलता ने हमें विभिन्न क्षेत्रों से उठने

वाली मांगों को पूरा करने और विविधता में एकता की भावना विकसित करने में सक्षम बनाया है।

हमारे संविधान निर्माताओं ने आम आदमी की सूझ-बूझ में अटूट विश्वास दर्शाते हुए देश के सभी नागरिकों को सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार प्रदान किया। किसी अन्य लोकतंत्र ने प्रारंभ से ही सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार प्रदान नहीं किया था। इस संदर्भ में यह विशेष रूप से उल्लेखनीय है कि इंग्लैंड और अमेरिका जैसे देशों में महिलाओं को लंबे संघर्ष के बाद मतदान का अधिकार दिया गया था। लेकिन हमारे देश में प्रारंभ से ही महिलाओं को वोट देने का अधिकार मात्र नहीं दिया गया अपितु कई महिलाएं संविधान सभा की सदस्य भी थीं और उन्होंने संविधान निर्माण में अभूतपूर्व योगदान दिया था।

भारतीय संविधान ने मूल अधिकारों पर ध्यान केंद्रित करते हुए विशेष रूप से अस्पृश्यता को समाप्त किया है, सभी नागरिकों को समान अधिकारों की गारंटी दी है और सामाजिक संबंधों में होने वाले सभी प्रकार के भेदभाव पर रोक लगाई है।

इन सबसे से भी ज्यादा महत्वपूर्ण बात यह है कि हमारे संविधान में यह व्यवस्था है कि यदि किसी व्यक्ति के मूल अधिकारों का कभी भी या कहीं भी हनन होता है या उनको दमित किया जाता है तो वह व्यक्ति सीधे देश के सर्वोच्च न्यायालय में जा सकता है।

पिछले कई दशकों के दौरान, हमारी संसद ने समाज के विभिन्न वर्गों के सरोकारों को पूरा करने के लिए कई प्रगतिशील, सामाजिक और आर्थिक कानून पारित किए हैं। एक व्यापक समिति प्रणाली के माध्यम से

कार्यपालिका की जवाबदेही सुनिश्चित करने की प्रक्रिया ने संसद की कार्यात्मक भूमिका को और बढ़ा दिया है।

इससे संसदीय प्रणाली के अंतर्गत कार्यपालिका के कार्यों की निगरानी किए जाने को एक नया अर्थ और आयाम मिला है। बजट पारित करना संसद के महत्वपूर्ण कार्यों में से एक है । संसद में होने वाले सकारात्मक वाद-विवाद के बाद देश के वित्तीय संसाधनों का सावधानीपूर्वक और बेहतर उपयोग किया जाता है।

मैं मानता हूं कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में हमें समाज के दलित वर्गों, विशेष रूप से महिलाओं और लड़कियों के सशक्तिकरण हेतु प्रयासरत रहते हुए लोकतंत्र के मूल आशय को हासिल करने की दिशा में बहुत कुछ करना शेष है।

क्षेत्रफल की दृष्टि से राजस्थान भारत का सबसे बड़ा राज्य है। इसकी अपनी खास विशेषताएं उल्लेखनीय हैं। आज यह राज्य अपनी पारंपरिक कृषि अर्थव्यवस्था से आगे निकलकर बहुआयामी विकास कर रहा है।

दूसरा सबसे बड़ा खनिज उत्पादक राज्य होने के नाते, यहां आर्थिक विकास की अपार संभावनाएं हैं। सौर और पवन ऊर्जा के मामले में यह सर्वाधिक संभाव्यता वाला राज्य है और प्रमुख शहरों के साथ इसकी बेहतर कनेक्टिविटी है। इन वजहों से राजस्थान में और अधिक विकसित होने की उल्लेखनीय क्षमता है।

यह राज्य जो अपने रेगिस्तान और अवसरों की कमी के लिए जाना जाता था, अब थार महोत्सव, वार्षिक जयपुर साहित्य महोत्सव आदि जैसे कार्यक्रम आयोजित करता है। यहां पूरे वर्ष विदेशी पर्यटक देखे जा सकते हैं।

वास्तव में पर्यटन राजस्थान का गौरव है। भारत में समावेशी लोकतंत्र को बढ़ावा देने वाली पंचायती राज संस्थाओं को संभवत: पहली बार राजस्थान में ही लागू किया गया था।

भीलवाड़ा जिला अपने वस्त्र उद्योग और खनिज संपदा के लिए जाना जाता है। 'वस्त्रों और करघों के शहर' के रूप में प्रसिद्ध, भीलवाड़ा में रामस्नेही सम्प्रदाय का विश्व प्रसिद्ध 'रामद्वारा' स्थित है। इस संप्रदाय के संस्थापक गुरु स्वामी रामचरणजी महाराज ने यहां अपने अनुयायियों को उपदेश दिया और बाद में शाहपुरा जाने का निर्णय लिया था।

रामस्नेही सम्प्रदाय का वर्तमान मुख्यालय, जिसे 'राम निवास धाम' के नाम से जाना जाता है, शाहपुरा में स्थित है। कुछ लोगों का मानना है कि भीलवाड़ा का नाम वहां रहने वाले भीलों के नाम पर पड़ा है। एक कहानी के अनुसार, भीलवाड़ा शहर में एक टकसाल थी जहां 'भिलाडी' नाम से जाने जाने वाले सिक्कों को ढाला जाता था। यह माना जाता है कि जिले का नाम इसी आधार पर पड़ा है।

भीलवाड़ा का सांस्कृतिक इतिहास स्कंद पुराण में वर्णित नागर ब्राह्मणों से भी जुड़ता है। यह शहर रेल और सड़क यातायात से बखूबी जुड़े होने के साथ-साथ एक बाजार केन्द्र भी है। भीलवाड़ा के उद्योगों में कॉटन मिलिंग, हथकरघा बुनाई तथा हौजरी और धातु के बर्तन (विशेष रुप से कलाई किए गए बर्तन) का निर्माण शामिल है। इस जिले के कुछ प्रसिद्ध पर्यटक स्थलों में बदनोर किला, पुर उड़न छतरी, बागोर साहिब, धनोप माताजी, हरनी महादेव, तिलेस्वा महादेव और कई अन्य स्थल शामिल हैं।

मुझे यहां यह बताते हुए खुशी हो रही है कि बिजोलिया भीलवाड़ा जिले में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है, और यह श्री दिगंबर जैन पार्श्वनाथ अतिशय तीर्थक्षेत्र और मंदाकिनी मंदिर के लिए प्रसिद्ध है।

मंदाकिनी मंदिर परिसर में तीन शिव मंदिर हैं, उनमें से एक को हजारेश्वर महादेव मंदिर के नाम से जाना जाता है। अपनी कला और वास्तुशिल्प के लिए प्रसिद्ध, यह एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल है। तीर्थंकर पार्श्वनाथ को समर्पित श्री दिगंबर जैन पार्श्वनाथ अतिशय तीर्थक्षेत्र 2700 वर्ष से अधिक पुराना माना जाता है।

लघु उद्योग हमारी अर्थव्यवस्था का प्रमुख आधार हैं। भारत एक तेजी से उभरती हुई विकासशील अर्थव्यवस्था है जहां राष्ट्र के समग्र विकास के लिए रोजगार सृजन आवश्यक है।

छह करोड़ से अधिक उद्यमों के साथ सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम अर्थात् एमएसएमई क्षेत्र भारतीय अर्थव्यवस्था के एक अत्यधिक सशक्त और गतिशील क्षेत्र के रूप में उभरा है, जो उद्यमशीलता को बढ़ावा दे रहा है और स्वरोजगार के अवसर पैदा कर रहा है।

महात्मा गांधी का मानना था कि किसी भी देश की सफलता उसके गांवों की सफलता पर निर्भर करती है।

वे मानते थे कि राष्ट्र का विकास ग्रामीण क्षेत्रों को विकसित किए जाने की बुनियाद पर निर्भर है। ग्राम स्वराज की उनकी अवधारणा को ग्रामीण विकास के वैकल्पिक मॉडलों में से एक माना जाता है। ग्राम स्वराज का प्राथमिक जोर एक ऐसे समाज के समग्र विकास पर है जहां व्यक्तियों को आर्थिक व्यवस्था के केंद्र में रखा जाता है।

मैं यहां यह उल्लेख करना चाहूंगा कि सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय अर्थात एमएसएमई मिनिस्ट्री ने प्रौद्योगिकी केन्द्रों (टीसी) की स्थापना की है। ये केन्द्र जनरल इंजीनियरिंग, फोर्जिंग और फाउंड्री, इलेक्ट्रॉनिक प्रणाली डिजाइन और विनिर्माण तथा कई अन्य क्षेत्रों में उपकरणों, समुचित कलपुर्जों और जिग्स आदि के डिजाइन और विनिर्माण के माध्यम से उद्योगों को प्रौद्योगिकीय सहायता प्रदान करते हैं।

मुझे यहां यह बताते हुए खुशी हो रही है कि औद्योगिक शहर भीलवाड़ा, आज भारत में वस्त्रों के लिए एक प्रसिद्ध केंद्र बन गया है। भीलवाड़ा जिले का वस्त्र उद्योग 8 से 10 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर से प्रगति कर रहा है।

यहां के वस्त्र उद्योग सिंथेटिक धागे, ऊनी कपड़ों, सूती धागे आदि के निर्यात के लिए काफी विख्यात हैं। जिले में वस्त्र उद्योग मुख्य उद्योग होने के साथ यहां इसकी 500 से अधिक विनिर्माण इकाइयां हैं।

ये विनिर्माण इकाइयों इसे पतलून के लिए सिंथेटिक कपड़ों में विशेषज्ञता रखने वाला एक प्रमुख टेक्सटाइल सेण्टर बनाती हैं। भीलवाड़ा की मिलों में कताई, बुनाई और प्रसंस्करण जैसे अनेक वस्त्र निर्माण कार्य किये जाते हैं और इसलिए यह उद्योग असंगठित और संगठित क्षेत्र में सबसे बड़ा रोजगार प्रदाता भी है, जिसमें एक लाख से अधिक व्यक्ति काम करते हैं, जो राज्य की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने का कार्य कर रहे हैं ।

इसके अलावा, मैं यहां यह भी उल्लेख करना चाहूंगा कि भीलवाड़ा भी धीरे-धीरे होम टेक्सटाइल्स और होम फर्निशिंग में अपनी क्षमता का सफलतापूर्वक उपयोग कर रहा है।

राज्य सरकार और मेवाड़ चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री जैसे निकायों के निरंतर समर्थन से शहर को निर्यात के मामले में उत्कृष्टता प्राप्त हुई है। इसके अतिरिक्त, भारत सरकार ने प्रौद्योगिकी केंद्रित सेवाओं के विकास के लिए बाजार पहुंच पहल योजना के माध्यम से वित्तीय सहायता प्रदान की है।

वस्त्र मंत्रालय द्वारा वर्ष 2009 में भीलवाड़ा को मेगा पावरलूम क्लस्टर के रूप में घोषित किए जाने से इस शहर बहुत अधिक लाभ मिला है। भीलवाड़ा जिले के पास विकास हेतु विशाल क्षमता विद्यमान है और यह न केवल देश में एक लोकप्रिय वस्त्र केंद्र है, बल्कि अपने विशाल निर्यात बाजार के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी अपना स्थान बना रहा है।

इन्हीं शब्दों के साथ, मैं एक बार फिर इस 'प्रबुद्ध जन संवाद कार्यक्रम' के आयोजकों को धन्यवाद देता हूं।

व्यापारियों, किसानों और उद्यमियों के सफल प्रयासों के कारण, भीलवाड़ा क्षेत्र आगे बढ़ रहा है और हमारे राष्ट्र के सर्वांगीण आर्थिक विकास की दिशा में अपना बहुमूल्य योगदान देते हुए नई ऊंचाइयों को प्राप्त कर रहा है।

मैं श्री गोपाल लाल शर्मा जी और इस कार्यक्रम से जुड़े गणमान्य व्यक्तियों को इस कार्यक्रम के सफलतापूर्वक आयोजन के लिए पुनः बधाई देता हूं ।

मुझे विश्वास है कि संयुक्त प्रयासों और इस जिले के वरिष्ठ सदस्यों के मार्गदर्शन से इस क्षेत्र को एक विकसित और समृद्ध क्षेत्र बनाने में अधिकाधिक सफलता प्राप्त होगी।